बर्षः- 06
अंकः- 23
मुरादाबाद
(Thursday)
14 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सामने आई प्रतीक यादव की पीएम रिपोर्ट, हृदय और श्वसन तंत्र फेल होने से हुई मौत

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के सौतेले भाई, प्रतीक यादव (38) का लखनऊ में निधन हो गया है। वे समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के सबसे छोटे बेटे थे। उन्हें सुबह छह बजे सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया था। डॉक्टर ने जांच पड़ताल करके उन्हें मृत घोषित कर दिया।प्रतीक यादव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आ गई है। पीएम रिपोर्ट के अनुसार, प्रतीक की मौत कार्डियोरेस्पिरेटरी कोलैप्स (हृदय और श्वसन तंत्र का अचानक फेल होना) व

प्रतीक की मौत के बाद पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे अखिलेश, बोले- दो महीने पहले हुई थी मुलाकात

अत्यधिक पल्मोनरी थ्रोम्बोएम्बोलिज्म (फेफड़ों की रक्त वाहिकाओं में खून के थक्के जमने) के कारण हुई।प्रतीक यादव के शव के अंतिम दर्शन के लिए लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल भी पहुंचीं।प्रतीक यादव के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन करने के लिए कांग्रेस नेता पीएल पुनिया, भाजपा सांसद साक्षी महाराज और प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह पहुंचें।प्रतीक यादव का शव एक बजकर 58 मिनट पर परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद परिजन इसे लेकर प्रतीक के विक्रमादित्य स्थित आवास पर पहुंचे। शव के आवास पहुंचने की सूचना पर बड़ी संख्या में लोग अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। अपर्णा यादव भी आवास पहुंच चुकी हैं।प्रतीक यादव के आवास पर अब्बास अंसारी भी पहुंचे। आवास पर लोगों का जमावड़ा लग गया है।प्रतीक यादव के विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास पर सांसद डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव सहित यादव परिवार के सदस्य व अन्य लोग पहुंच गए हैं। महापौर सुषमा खर्कवाल भी पहुंची हैं। आवास पर लोगों का जमावड़ा लग गया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 3ः00 बजे अपर्णा यादव के आवास पर पहुचेंगे। आसपास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अपर्णा के घर लोगों और समर्थकों का जमावड़ा हो गया है।प्रतीक यादव का शव उनके विक्रमादित्य स्थित आवास पर लाया गया है।भाजपा नेता अपर्णा यादव दोपहर करीब दो बजे लखनऊ पहुंचीं। इसके बाद एयरपोर्ट से वह अपने आवास के लिए रवाना हो गईंप्रतीक यादव की मौत के बाद उनके सौतेले भाई अखिलेश यादव पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच होनी चाहिए। प्रतीक यादव की मौत के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव केजीएमयू के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। वहां उन्होंने प्रेस से बात करते हुए कहा कि प्रतीक से मेरी दो महीने पहले मुलाकात हुई थी। प्रतीक जुझारू किस्म का इंसान था। वह अपने स्वास्थ्य लेकर सजग था। जीवन में वह आगे बढ़ना चाहता था। उसके इस तरह से चले जाने का दुख है। वह अपनी मेहनत से कुछ करना चाहता था। मौत की वजहों पर उन्होंने कहा कि इस पर जांच होनी चाहिए। परिवार इस मामले में जो फैसला लेगा उसका सम्मान होना चाहिए। उत्तर प्रदेश के बड़ी खबर है। मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। प्रतीक यादव के निधन की खबर ने सबको हैरत में डाल दिया। प्रतीक 38 साल के थे। शुरुआती जानकारी मिली है कि सुबह करीब छह बजे सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में लाए गए थे। डॉक्टर ने जांच पड़ताल करके उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिली है कि बुधवार को प्रतीक की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। अभी तक प्रतीक की मौत की वजह साफ नहीं हुई है। मुलायम सिंह के बेटे प्रतीक अपने पीछे पत्नी अपर्णा और दो बेटियों को छोड़ गए हैं। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान पत्नी अपर्णा यादव राजधानी लखनऊ में नहीं थीं। प्रतीक यादव के निधन की खबर मिलते ही नेताओं का लखनऊ के सिविल अस्पताल में जमा होना शुरू हो गया। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

टीवीके को समर्थन देने पर अन्नाद्रमुक में घमासान, ईपीएस बोले- पद के लालच में पार्टी तोड़ रहे बागी

टीवीके को समर्थन देने पर अन्नाद्रमुक में घमासान देखने को मिल रहा है। अन्नाद्रमुक के महासचिव ईपीएस ने कहा है कि बागी विधायक लालच में पार्टी तोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के विधायकों को सख्त निर्देश दिए थे कि फ्लोर टेस्ट में टीवीके सरकार के खिलाफ मतदान करना है। अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी (ईपीएस) ने बुधवार को पार्टी के उन विधायकों पर तीखा हमला बोला, जिन्होंने आंतरिक विभाजन की अटकलों के बीच फ्लोर टेस्ट के दौरान टीवीके का समर्थन किया था। उन पर टीवीके की ओर से मंत्री पदों का प्रलोभन दिए जाने का आरोप लगाया। कानून का उल्लंघन बताया- एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ईपीएस ने दल के विधायकों को सदन परीक्षण में सत्तारूढ़ सरकार का समर्थन करने की आलोचना की।

कानून का उल्लंघन बताया। ईपीएस ने दोहराया कि पार्टी के सचेतक कृष्णमूर्ति ने सख्त निर्देश दिए थे कि सभी पार्टी सदस्य फ्लोर टेस्ट में टीवीके सरकार के खिलाफ मतदान करेंगे। पार्टी के आदेशों का उल्लंघन करने के लिए विधायक सीवी शनमुगम गुट पर हमला करते हुए उन्होंने विधायकों पर एआईएडीएमके के राजनीतिक सिद्धांतों के साथ विश्वासघात और उल्लंघन का आरोप लगाया। विधानसभा में निर्णयों के संबंध में पार्टी व्हिप को सर्वोच्च प्राधिकारी मानते हुए ईपीएस ने कहा कि महासचिव के खिलाफ कोई और नहीं जा सकता।

कांग्रेस अध्यक्ष का पीएम पर हमला, वृद्धावस्था पेंशन नहीं बढ़ाई, प्रचार में करोड़ो खर्च करने का आरोप

मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर आरोप लगाया कि सरकार विज्ञापनों और आत्म-प्रचार पर करोड़ों खर्च कर रही है, जबकि 12 वर्षों से वृद्धावस्था पेंशन नहीं बढ़ाई गई। उन्होंने कहा कि महंगाई के बीच बुजुर्ग, विधवाएं और दिव्यांग आर्थिक संकट झेल रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आत्म-प्रचार पर भारी रकम खर्च कर रही है, जबकि पिछले बारह वर्षों से वृद्धावस्था पेंशन में कोई वृद्धि नहीं की गई है। खड़गे ने कहा कि सरकार बुजुर्गों, विधवाओं और विकलांग व्यक्तियों की गरिमा छीन रही है।भाजपा ने बारह वर्षों से वृद्धावस्था पेंशन नहीं बढ़ाई- खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नरेंद्र मोदी, आप देश को मितव्ययिता और त्याग का उपदेश देते हैं, जबकि भारत के बुजुर्गों, विधवाओं और विकलांग व्यक्तियों से उनकी गरिमा छीन रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा ने बारह वर्षों से वृद्धावस्था पेंशन में एक पैसा भी क्यों नहीं बढ़ाया, जबकि महंगाई गरीबों को कुचल रही है।

खरगे ने बताया कि क्रय शक्ति में 45 फीसदी की कमी के बाद, 200 रुपये की पेंशन अब लगभग 110 रुपये के बराबर है। इसी तरह, 300 रुपये की पेंशन लगभग 165 रुपये और 500 रुपये की पेंशन लगभग 275 रुपये के बराबर हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार प्रतिदिन लगभग डेढ़ करोड़ रुपये विज्ञापनों और आत्म-प्रचार पर खर्च करती है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, यह बेशर्म सरकार प्रतिदिन लगभग डेढ़ करोड़ रुपये विज्ञापनों और भव्य आत्म-प्रचार पर खर्च करना पसंद करती है! उन्होंने दावा किया कि 2014-15 से 2024-25 के बीच भाजपा सरकार ने आत्म-प्रचार के लिए विज्ञापनों पर कुल 5,987.46 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। पेंशन वृद्धि की अनदेखी- खरगे ने कहा कि करोड़ों बुजुर्ग नागरिक कम पेंशन पर गुजारा करने को मजबूर हैं, जो बुनियादी दवाएं और भोजन भी कवर नहीं कर पाती। वहीं, मोदी सरकार और भाजपा भव्य चुनाव अभियानों, बड़े काफिलों, विशाल आयोजनों और लगातार प्रचार पर खर्च कर रही है। उन्होंने सरकार की नीतियों को क्रूर भाजपा मॉडल बताया। खड़गे के अनुसार, यह मॉडल वंचित नागरिकों की आर्थिक गरिमा छीनता है, जबकि राजनीतिक तमाशे पर अत्यधिक खर्च किया जाता है।

प्रिय भाई, मैं इस मुश्किल समय में हमेशा आपके साथ हूं स्टालिन ने अखिलेश को दी सांत्वना

डीएमके प्रमुख व तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रतीक यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया और अखिलेश यादव को सांत्वना दी है।सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव के निधन पर तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शोक व्यक्त किया है और सांत्वना व्यक्त की है।स्टालिन ने उन्हें सांत्वना देते हुए कहा कि वह अखिलेश यादव और उनके परिवार के साथ इस मुश्किल समय में हमेशा खड़े हैं। उन्होंने अखिलेश यादव को प्रिय भाई बताया। स्टालिन ने कहा, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव के निधन से मैं बहुत दुखी हूं।अखिलेश यादव पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, दिया बयान- प्रतीक यादव की मौत के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव केजीएमयू के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। वहां उन्होंने प्रेस से बात करते हुए कहा कि प्रतीक से

मेरी दो महीने पहले मुलाकात हुई थी। प्रतीक जुझारू किस्म का इंसान था। वह अपने स्वास्थ्य लेकर सजग था। जीवन में वह आगे बढ़ना चाहता था। उसके इस तरह से चले जाने का दुख है। वह अपनी मेहनत से कुछ करना चाहता था। मौत की वजहों पर उन्होंने कहा कि इस पर जांच होनी चाहिए। परिवार इस मामले में जो फैसला लेगा उसका सम्मान होना चाहिए। निधन की खबर ने सबको हैरान कर दिया- मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। प्रतीक यादव के निधन की खबर ने सबको हैरत में डाल दिया। प्रतीक 38 साल के थे। शुरुआती जानकारी मिली है कि सुबह करीब छह बजे सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में लाए गए थे। डॉक्टर ने जांच पड़ताल करके उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिली है कि बुधवार को प्रतीक की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। अभी तक प्रतीक की मौत की वजह साफ नहीं हुई है। मुलायम सिंह के बेटे प्रतीक अपने पीछे पत्नी अपर्णा और दो बेटियों को छोड़ गए हैं। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान पत्नी अपर्णा यादव राजधानी लखनऊ में नहीं थीं। प्रतीक यादव के निधन की खबर मिलते ही नेताओं का लखनऊ के सिविल अस्पताल में जमा होना शुरू हो गया।

सीबीएसई 12वीं का रिजल्ट हुआ जारी, नीलांश ने प्राप्त किए 99.2% अंक

सीबीएसई परीक्षा परिणाम में द एशियन पब्लिक स्कूल फिरोजाबाद के छात्र नीलांश ने 99.2 फीसदी अंक हासिल किए। छात्र की सफलता से स्कूल और परिवार में खुशी का माहौल है।केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। द एशियन पब्लिक स्कूल के छात्र नीलांश ने 99.2 फीसदी अंक हासिल कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है। छात्र की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और परिजनों में खुशी का माहौल है। स्कूल प्रशासन ने नीलांश को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने कक्षा 12वीं का रिजल्ट 2026 आधिकारिक रूप

से जारी कर दिया है। लंबे समय से इंतजार कर रहे लाखों छात्रों का इंतजार अब खत्म हो गया है। छात्र अब अपना स्कोरकार्ड आधिकारिक वेबसाइट cbse.gov.in और डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे कि DigiLocker और UMANG पर जाकर चेक और डाउनलोड कर सकते हैं। रिजल्ट देखने के लिए छात्रों को अपना रोल नंबर, स्कूल नंबर और एडमिट कार्ड आईडी दर्ज करनी होगी, इसलिए अपना एडमिट कार्ड पहले से तैयार रखें ताकि बिना किसी परेशानी के तुरंत परिणाम देख सकें। सीबीएसई के अनुसार 12वीं में पास होने के लिए हर विषय में कम से कम 33% अंक जरूरी होते हैं। ग्रेडिंग सिस्टम में, से ष्ठ तक पास माना जाता है, जबकि श्व ग्रेड का मतलब फेल होता है। इसलिए सभी विषयों में श्व से ऊपर ग्रेड होना जरूरी है, नहीं तो छात्र को कम्पार्टमेंट या दोबारा परीक्षा देनी पड़ती है। कुल 85.20% बच्चे पास- सीबीएसई बोर्ड ने 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है, जिसमें इस बार कुल 85 से अधिक छात्र-छात्राएं सफल रहे हैं। इस बार के परिणाम में पिछले वर्ष की तुलना में पास प्रतिशत में 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है।

विश्व हिंदू परिषद ने की उदयनिधि की निंदा, विधानसभा की कार्यवाही से सनातन विरोधी बयान हटाने की मांग

वरिष्ठ वकील और वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा, सनातन हिंदू धर्म और हिंदू आस्थाओं का बार-बार अपमान करना लोकतांत्रिक और सांविधानिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा, ऐसे आपत्तिजनक और समाज को बांटने वाले बयान तुरंत विधानसभा की कार्यवाही से हटाए जाने चाहिए और भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। आलोक कुमार ने कहा, तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री को स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी सरकार सनातन परंपराओं और हिंदू आस्थाओं का सम्मान करती है या फिर ऐसे %विभाजनकारी, दुर्भावनापूर्ण और हिंदू विरोधी बयानों% का समर्थन करती है।उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार को राज्य के प्रसिद्ध मंदिरों और सनातन परंपरा से जुड़े धार्मिक संस्थानों से बड़ा राजस्व मिलता है। पूर्ण है कि जिन परिवारों और राजनीतिक दलों को सनातन परंपराओं, मंदिरों और हिंदू समाज से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभ मिलता है, वही सनातन को खत्म करने की बात कर रहे हैं। वीएचपी अध्यक्ष ने दावा किया कि सनातन हिंदू धर्म केवल तमिलनाडु ही नहीं, बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक आत्मा है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि सनातन को मिटाने की कोशिश करने वाली कई विचारधाराएं खुद खत्म हो गईं। लेकिन सनातन आज भी उसी शक्ति और विश्वास के साथ समाज का मार्गदर्शन कर रहा है और आगे भी करता रहेगा। वीएचपी ने डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन के सनातन विरोधी बयान की निंदा करते हुए उनसे सवाल किया

संपादकीय Editorial

Two Images of Politics

This is a crucial period in Indian politics. It's a litmus test for the opposition, so it's now clear why Bengal's "saffron mandate" was so important. Analyses are being published in American media outlets like the Washington Post, The Economist, and the Wall Street Journal, stating that the mandate and the sheer number of votes cast for Prime Minister Modi in India are truly unparalleled. No other world leader has received such a massive mandate. These analyses also conclude that India is moving towards a "one-party" democracy. This conclusion is completely wrong, as the BJP remains insignificant in many states, with opposition governments in power. However, two images from the stage of Bengal's swearing-in ceremony remain striking. Prime Minister Modi touched the feet of 98-year-old Makhan Lal Sarkar, the BJP's oldest and most seasoned worker, and then embraced him with a shawl. What a cultured and inspiring message that must have conveyed. Makhanlal was an associate of Dr. Shyama Prasad Mukherjee, the founder of the Jan Sangh and the first Minister of Industry and Commerce in the Nehru cabinet. He participated in the Kashmir movement and was even arrested there for the alleged crime of hoisting the tricolor. This image clearly illustrates the confluence of history and the present. Since the saffron party has achieved power in Bengal for the first time, it was a historic moment, and many old BJP figures were also remembered. Furthermore, Prime Minister Modi prostrated himself on stage and expressed gratitude to the people of Bengal, thanking them for the saffron government that has come to power today. This is the power of Indian democracy! Mamata Banerjee must be introspecting! This may be Prime Minister Modi's "pure politics," but in over four decades of journalism, we have never seen any other Prime Minister in such a posture. After all, he too became Prime Minister through politics. However, the situation now is such that 14-15 Trinamool Congress MPs are reported missing. They remained completely inactive in the elections. Moreover, some newly elected MLAs have begun to challenge Didi. The question is, is Trinamool on the verge of disintegration after its electoral defeat? The disintegration or breakup of Trinamool is one thing, but where is the opposition's "Indi" alliance today? As soon as the DMK was defeated in Tamil Nadu, its alliance partners—Congress, CPI, CPM, VCK, IUML, etc.—jumped and switched sides to support the TVK. DMK President and former Chief Minister Stalin has called this a backstabbing betrayal. Furthermore, DMK MP Kanimozhi in the Lok Sabha has written to Speaker Om Birla requesting that her seat be changed, as she no longer has an alliance with the Congress. The question is, why does the "Indi" alliance always remain scattered like a pack of cards? Whether it's Uddhav Thackeray's Shiv Sena, Hemant Soren's JMM, Kejriwal's Aam Aadmi Party, and Mamata Banerjee's Trinamool Congress until the elections, all leaders have been issuing contradictory and accusatory statements against each other. Often, they've fought elections against each other, not together. So why is the "Indi" slogan being invoked? While "Indi" leaders occasionally meet, they've been digging holes among themselves. "Indi" has no convener, no secretariat, no common minimum program, but they've been waving their hands in the air on the anti-Modi issue. If this situation continues, the 2029 Lok Sabha elections are clearly visible. By then, half the parties will be in jail, and the other half will have compromised and merged with the BJP-NDA. Therefore, it's time for the opposition to learn a lesson.

Muscles have their own unique memory. Think about how you manage to do certain tasks without thinking.

Muscles have their own unique memory, called muscle memory. These are memories stored within the muscles, which, through repeated repetition, remain active even independently of the brain. Have you ever wondered how you manage to do certain tasks without thinking? When you learn to ride a bicycle or any other vehicle, you initially ride cautiously, but after some time, when you become proficient, you don't need to use much of your brain. Similarly, playing an instrument or tying your shoelaces are similar tasks that occur without any mental effort. In fact, these kinds of tasks are related to muscle memory, which refers to tasks or skills we perform without much thought. So, do muscles truly have memory, and what role does the brain play in this? There's science behind this as well. Scientists call this memory "procedural memory" rather than "muscle memory." While not always, procedural memory involves both our brain and muscles. Research suggests that training can accelerate muscle growth by altering the way muscle cells function or their structure. Although scientists still don't know exactly how this works, it seems these changes don't allow muscles to store memories or information the way the brain does. Procedural memory is memory that's based on actions rather than words. This means the skills you learn through it can be difficult to share with others. For example, imagine you're teaching a child to ride a bike. If you're sitting on the bike yourself, it's easy to grasp the handlebars at the right time, get on the bike, and pedal. But explaining this process to another person can be challenging, especially when you only use words. Research shows that when we learn a new skill, it takes a lot of effort at first. Over time, these skills become so natural that you hardly think about it because you're doing things you've done many times before. Procedural memory can also help people with cognitive problems learn new skills and remember old ones. Improving procedural memory takes time and effort, but every new thing you learn enriches your life. -With Justin Christensen.

The Other Side: When We Read on Digital Screens, Why Digital Devices Are Being Reduced in Swedish Classrooms

Webpages tend to make people only look for key information quickly, which can hinder their ability to read deeply. The problem arises when reading on digital devices, which contain ads, pop-ups, and videos, which distract children. Visual information takes approximately 60 milliseconds to travel from the eyes to the brain, and another 100 to 300 milliseconds to recognize words. This is why there's a limit to reading speed. The Swedish government recently announced that it was reducing the use of digital devices in classrooms and returning to books. The government cited students' increasing screen time as the primary reason. What does the science reveal about the effects of reading on digital screens and books? While reading may seem like a simple task, it is actually a complex skill that requires learning. When we read, our eyes move rapidly from one word to the next. These movements are called saccades. The eyes can only see words clearly during short pauses. Research shows that our ability to absorb visual information at one time is limited. In languages ??like English, the eyes can only clearly recognize 2-3 letters on the left side and 8-12 letters on the right side. Recognizing a word also takes time. Visual information travels from the eyes to the brain in about 60 milliseconds, and word recognition takes an additional 100 to 300 milliseconds. This is why there is a limit to reading speed, and reading too fast can lead to reduced comprehension. Good reading ability is developed over years of practice. The parts of the brain involved in vision, attention, word recognition, language comprehension, and eye movements work together. Devices like e-readers offer little difference between reading in books and digital reading, as they support the reading process. However, the problem arises with devices that have distracting ads, pop-ups, and videos. Young children's attention control abilities are not fully developed, so frequent interruptions can impact their comprehension. Some research suggests that webpages may lead people to seek information quickly, which can impact their ability to read deeply. Digital learning has increased rapidly during COVID-19, but its long-term effects are not yet fully clear. Since reading ability is closely linked to a person's education, social status, and quality of life, studying the long-term effects of digital learning is considered extremely important.

Life Stream: What is the greatest battle in life? The formula: Dream, move forward

If someone were to ask me what the greatest battle in life is, I would say: the battle a man fights within himself. The battle against his ego. If I could conquer my inner impatience, my life would be different. I won many battles in my life. I saw kings fall, empires crumble, and my army march victoriously across the lands of Europe. There was a time when people called me invincible. I even began to believe that my will alone could change the course of history. But today, when I look back, I realize that a man's greatest victory is not over others, but over himself. I was extremely ambitious from the beginning. This fire of ambition kept me from resting. There was a restlessness within me to rise. I came from the poor island of Corsica. I had no inheritance. If I had anything, it was only my belief that man can change his destiny by his will. And then I made this my religion. On the battlefields, I learned that fear is man's greatest enemy. At that time, I truly believed that everything could be conquered by willpower. And perhaps that belief propelled me to great heights. But heights also give man an illusion. As victories continue, man begins to forget that he, too, is limited. I made the same mistake. I began to believe that I had become greater than time and nature. This is the most dangerous moment of ambition, when it transforms from inspiration to arrogance. I conquered empires, but at that time I had not conquered myself. It is easy to conquer the world, but it is extremely difficult to master one's desires. A king can command thousands of soldiers, but controlling the cravings that arise within oneself is far more difficult. Nature taught me that no matter how great a man is, he is not invincible. I saw my soldiers die of hunger. At that time, I realized that ambition, if not accompanied by prudence, can cause suffering to thousands. That defeat changed me from within. Defeat not only robs a person of his throne, it also robs a person of his illusions. If someone were to ask me what the greatest battle in life is, I would say the battle a person fights within himself. A battle against his fears, a battle against his ego. I conquered many countries, but if I had been able to conquer my inner impatience and unfulfilled ambition, my life would have been different. Yet, I will not blame ambition. Ambition is human energy. It is through it that civilizations are built, new ideas are born, ordinary people become extraordinary. Ultimately, I understood that the greatest immortality lies in human actions and thoughts, not in empires. Empires crumble. Armies disintegrate. The cries of victory fall silent. But the victory of a person who conquers his inner limitations cannot be erased even by time. The principle: Dream, move forward. Ambition takes a person to great heights, but true victory comes when one learns to control his fear, ego, and unsatisfied desires. Conquering yourself is the most difficult and noble battle. Power, empire, and fame are fleeting, while character, prudence, and self-control are what make a man immortal. So dream, go forth.If someone were to ask me what the greatest battle in life is, I would say: the battle a man fights within himself. The battle against his ego. If I could conquer my inner impatience, my life would be different. I won many battles in my life. I saw kings fall, empires crumble, and my army march victoriously across the lands of Europe. There was a time when people called me invincible. I even began to believe that my will alone could change the course of history. But today, when I look back, I realize that a man's greatest victory is not over others, but over himself. I was extremely ambitious from the beginning. This fire of ambition kept me from resting. There was a restlessness within me to rise. I came from the poor island of Corsica. I had no inheritance. If I had anything, it was only my belief that man can change his destiny by his will. And then I made this my religion. On the battlefields, I learned that fear is man's greatest enemy. At that time, I truly believed that everything could be conquered by willpower. And perhaps that belief propelled me to great heights. But heights also give man an illusion. As victories continue, man begins to forget that he, too, is limited. I made the same mistake. I began to believe that I had become greater than time and nature. This is the most dangerous moment of ambition, when it transforms from inspiration to arrogance. I conquered empires, but at that time I had not conquered myself. It is easy to conquer the world, but it is extremely difficult to master one's desires. A king can command thousands of soldiers, but controlling the cravings that arise within oneself is far more difficult. Nature taught me that no matter how great a man is, he is not invincible. I saw my soldiers die of hunger. At that time, I realized that ambition, if not accompanied by prudence, can cause suffering to thousands. That defeat changed me from within. Defeat not only robs a person of his throne, it also robs a person of his illusions. If someone were to ask me what the greatest battle in life is, I would say the battle a person fights within himself. A battle against his fears, a battle against his ego. I conquered many countries, but if I had been able to conquer my inner impatience and unfulfilled ambition, my life would have been different. Yet, I will not blame ambition. Ambition is human energy. It is through it that civilizations are built, new ideas are born, ordinary people become extraordinary. Ultimately, I understood that the greatest immortality lies in human actions and thoughts, not in empires. Empires crumble. Armies disintegrate. The cries of victory fall silent. But the victory of a person who conquers his inner limitations cannot be erased even by time. The principle: Dream, move forward. Ambition takes a person to great heights, but true victory comes when one learns to control his fear, ego, and unsatisfied desires. Conquering yourself is the most difficult and noble battle. Power, empire, and fame are fleeting, while character, prudence, and self-control are what make a man immortal.

सगे भाइयों को ब्याही दो बहनों में से एक का कत्ल, दूसरी को जलाया; इसलिए पार कीं हैवानियत की हदें

संभल के गुन्नौर में सगे भाइयों को ब्याही दो बहनों में से एक की हत्या कर दी गई, जबकि दूसरी को जलाया। पति, देवरानी-जेठानी सहित ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर आरोप है। संभल के गुन्नौर से दिल दहलाने वाली दो सगी बहनों के उत्पीड़न वालों ने जहर देकर मार दिया। झुलसी महिला की के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर गंगाबास निवासी सुर्मिला पहले उसकी शादी बहन उर्मिला की शादी पति बहनें एक ही घर में रहती लगाया कि रविवार की अकेले काम करने का दबाव अजयपाल, देवरानी-जेठानी गाली-गलौज और मारपीट में उसका सिर झोंक दिया। के साथ भी मारपीट की पहुंची बहन उर्मिला के साथ

वारदात सामने आई है। दो सगे भाइयों से ब्याही का मामला सामने आया है। छोटी बहन को ससुराल डाला, जबकि बड़ी बहन को जलाकर झुलसा तहरीर पर पुलिस ने उसके पति समेत तीन लोगों जांच शुरू कर दी है।कोतवाली क्षेत्र के गांव ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि दस साल अजयपाल के साथ हुई थी, जबकि उसकी छोटी के छोटे भाई खेम सिंह के साथ हुई थी। दोनों थीं। बाल और कपड़े जल गए- सुर्मिला ने आरोप सुबह ससुराल पक्ष के लोगों ने उन पर खेत में बनाया तो उसने इंकार कर दिया। इस पर पति सहित ससुराल पक्ष के अन्य लोगों ने उसके साथ शुरू कर दी। उसने विरोध किया तो उसका चूल्हे इससे उसके बाल और कपड़े जल गए। उर्मिला गई- सुर्मिला ने बताया कि शोर सुनकर बचाने भी मारपीट की गई और उसे जबरन जहरीला पदार्थ पिला दिया गया। हालत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिए अलीगढ़ ले गए, जहां उपचार के दौरान सोमवार की रात उसकी मौत हो गई। आरोपी परिजनों ने शिकायत करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। नामजद आरोपियों की तलाश-महिला के मायके वालों की ओर से सोमवार को तहरीर आई थी, जिस पर देर शाम झुलसी महिला के पति अजयपाल, देवरानी और सास के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। रात में उपचार के दौरान उर्मिला की मौत हो गई। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मायके वाले शव लेकर चले गए। नामजद आरोपियों की तलाश की जा रही है।-संजय कुमार, कोतवाली प्रभारी

निर्यातकों की नई संस्था के गठन को सक्रियता बढ़ी, एजीएम में टकराव के बाद चर्चा

मुरादाबाद । मुरादाबाद के निर्यात जगत में नई संस्था एक्सपोर्टर्स वॉयस एसोसिएशन के गठन को लेकर गतिविधियां लगातार तेज हो रही हैं। हाल ही में एजीएम के बाद शुरू हुई खींचतान अब संगठनात्मक स्वरूप लेती दिखाई दे रही है। एक ओर कुछ निर्यातक भी पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं।पिछले कुछ चला है। इनमें उद्योग की वर्तमान स्थिति, संगठनों चर्चा हुई। नई संस्था से जुड़े लोगों का कहना है कि की आवश्यकता महसूस हुई। वहीं, मौजूदा संगठनों निकाला जाना चाहिए। उनका कहना है कि अलग-विशाल अग्रवाल ने कहा कि बड़ी संख्या में निर्यातकों नई संस्था के गठन की दिशा में कदम बढ़ाया गया। एमएचईए के अध्यक्ष नावेद उर रहमान ने कहा कि

नई संस्था के समर्थन में सक्रिय नजर आ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कई कारोबारी अब दिनों में कई स्तरों पर निर्यातकों के बीच अनौपचारिक बैठकों और चर्चाओं का दौर की भूमिका और निर्यातकों की समस्याओं को प्रभावी तरीके से उठाने जैसे मुद्दों पर उद्योग हितों की अनदेखी और कुछ मुद्दों पर संवाद की कमी के कारण अलग मंच से जुड़े कई पदाधिकारियों का मानना है कि मतभेदों का समाधान बातचीत से अलग मंच बनने से निर्यातक वर्ग की एकजुटता प्रभावित हो सकती है। निर्यातक ने उद्योग से जुड़े मुद्दों को लेकर चिंता जताई थी। उन्हीं सुझावों और चर्चाओं के बाद उनका कहना है कि उद्देश्य केवल निर्यातकों के हितों को मजबूत आवाज देना है। किसी भी तरह की नाराजगी या गलतफहमी को बातचीत से दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उद्योग पहले से कई चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे समय में सभी को एकजुट रहना चाहिए। फिलहाल बड़ी संख्या में निर्यातक खुलकर किसी एक पक्ष में आने से बच रहे हैं। अधिकांश कारोबारी आने वाले दिनों में नई संस्था की कार्यशैली और उसके एजेंडे को देखने के बाद ही कोई निर्णय लेने के पक्ष में हैं। उद्योग की चुनौतियों के बीच बढ़ी सियासी हलचल- निर्यात कारोबार पहले से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार की सुस्ती, बढ़ती उत्पादन लागत और ऑर्डर में उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में संगठनात्मक खींचतान को लेकर भी उद्योग जगत में चिंता जताई जा रही है। कई कारोबारियों का मानना है कि आपसी मतभेदों का असर उद्योग की छवि पर नहीं पड़ना चाहिए।नई संस्था के अगले कदम पर सभी की नजर नई संस्था में निर्यातकों को सदस्य के रूप में जोड़ा जा रहा है। आने वाले दिनों में नई संस्था सदस्यता अभियान को और तेज कर सकती है। इसके अलावा पदाधिकारियों की औपचारिक घोषणा, पहली बैठक और उद्योग से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर एजेंडा तय किए जाने की संभावना भी जताई जा रही है। वहीं, कई निर्यातकों की नजर इस बात पर टिकी है कि नई संस्था अपने उद्देश्य और कार्यप्रणाली को किस तरह सामने रखती है।

देश की सैन्य शक्ति और पराक्रम का साक्षी है वार मेमोरियल

मुरादाबाद । जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल के साथ बुद्धि विहार फेज दो में स्थित त्रिशूल रक्षा संग्रहालय (वार मेमोरियल म्यूजियम) का निरीक्षण किया। नगर

आयुक्त ने वॉर मेमोरियल म्यूजियम में चल रहे निर्माण कार्यों की जानकारी जिलाधिकारी को दी। जिलाधिकारी ने वार मेमोरियल को देखने के बाद कहा कि यदि मुरादाबाद में वार मेमोरियल नहीं देखा तो क्या देखा, यह अनोखा और देश की सैन्य शक्ति का साक्षी है। यह म्यूजियम युवाओं और आम नागरिकों को वीर सैनिकों के शौर्य, बलिदान और इतिहास की बेहतर जानकारी देने वाला साबित होगा। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने कहा कि वॉर मेमोरियल उद्घाटन के लिए तैयार है। इसके संबंध में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात हो चुकी है। दोनों को इसके लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि वार मेमोरियल सेना के अदम्य साहस का गौरवशाली इतिहास, वीरता और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। 31 करोड़ रुपये की लागत से बना है वॉर मेमोरियल- बुद्धि विहार में दो एकड़ से अधिक भूमि पर नगर निगम के द्वारा 31 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि से त्रिशूल रक्षा संग्रहालय (वार मेमोरियल) का निर्माण कराया गया है। इसमें सेना के तीनों अंगों के शौर्य व साहस के बारे में वर्णित किया गया। कई अत्याधुनिक सैन्य हथियारों के मॉडल भी यहां प्रदर्शित किए गए हैं। इसमें मिग 27 के अलावा कई जलपोत भी शामिल हैं। शौर्य पथ पर स्थापित हैं वीरों की प्रतिमाएं बुद्धि विहार में स्थापित वार मेमोरियल के आसपास के चौराहों को शौर्य पथ के रूप में विकसित किया गया है। इस पर परमवीर चक्र विजेताओं और अमर शहीदों की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। जो युवा पीढ़ी को वीर सैनिकों के साहस, अनुशासन और राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने के लिए देश के नागरिकों को संदेश देती हैं।

सोने की ज्वेलरी पर असर नहीं, निवेश होगा प्रभावित, पुराने सोने के एक्सचेंज को बढ़ावा देने की मांग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से एक वर्ष तक सोने की खरीद नहीं करने की अपील के बाद सराफा बाजार में इस विषय को लेकर चर्चा तेज हो गई है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री ने सोने के आयात से देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाले अतिरिक्त भार को कम करने के उद्देश्य से यह अपील की है। हालांकि, सराफा कारोबारियों का मानना है कि इसका सीधा असर ज्वेलरी कारोबार पर अधिक नहीं पड़ेगा। उनका

कहना है कि भारत में शादी-विवाह, धार्मिक पर्व और पारिवारिक परंपराओं में सोने के आभूषण खरीदने की संस्कृति लंबे समय से चली आ रही है। यही कारण है कि लगातार बढ़ती कीमतों के बावजूद लोग आभूषणों की खरीदारी कर रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार प्रधानमंत्री की अपील का सबसे अधिक असर निवेश के उद्देश्य से खरीदे जाने वाले सोने के बार, बिस्किट, सिक्कों और एमसीएक्स जैसे प्लेटफॉर्म पर हो सकता है। निवेश के लिए खरीदा गया सोना लंबे समय तक बाजार में वापस नहीं आता, जिससे आयात की आवश्यकता बढ़ती है और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है।सराफा कारोबारी दीपांशु अग्रवाल ने कहा कि देश में ज्वेलरी कारोबार केवल व्यापार नहीं बल्कि लाखों कारीगरों और छोटे व्यवसायियों की आजीविका का आधार है। यदि लोग निवेश के बजाय जरूरत और परंपरा के अनुसार खरीदारी करें तो बाजार संतुलित रहेगा और रोजगार भी सुरक्षित रहेगा। वहीं, कारोबारी नीरज गुप्ता का कहना है कि सरकार को पुराने सोने के एक्सचेंज और पुनर्चक्रण की व्यवस्था को अधिक प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे उपभोक्ताओं को कीमतों के उतार-चढ़ाव से राहत मिलेगी और सोने के आयात में कमी आने से देश की अर्थव्यवस्था को भी लाभ होगा। आने वाला समय जिम्मेदार उपभोग और स्वर्ण पुनर्चक्रण आधारित अर्थव्यवस्था का होगा, जिसमें उपभोक्ता, उद्योग और राष् तीनों का हित सुरक्षित रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

भोट थाना पुलिस की गोकशों संग मुठभेड़, दो हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

थाना भोट ने मंगलवार देर रात मुठभेड में दो हिस्ट्रीशीटर गौकशी के आरोपी गिरफ्तार किए हैं। उनके पास से दो तमंचे, मोटरसाइकिल व पशु काटने के उपकरण बरामद किए हैं।मंगलवार रात गश्त और चेकिंग के दौरान थाना भोट पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति ग्राम कोयली के जंगल में गोकशी करने

के लिए गौवंशीय पशु की तलाश में घूम रहे हैं, जिनके पास गौकशी करने का सामान व अवैध हथियार भी है। सूचना पर पुलिस टीम उक्त स्थान पर पहुंची। पुलिस टीम को ग्राम कोयली-बघी रोड पर कच्चे रास्ते चकरोड से एक मोटर साईकिल पर 2 व्यक्ति आते दिखाई दिए, जिन्हे टॉर्च की रोशनी डालकर रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर भागने की कोशिश में मोटरसाइकिल गिर जाने पर आरोपी द्वारा खुद को घिरता देख जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायर कर दिया। आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में आरोपी बाबू बच्चा निवासी मोहल्ला बजरिया खानसामा थाना गंज रामपुर व आरोपी इरफान उर्फ पतला निवासी मोहल्ला रसूलपुर थाना स्वार रामपुर पैर में गोली लगने से घायल हो गए। आरोपियों के कब्जे से गौकशी करने के उपकरण, 2 तमंचे, 2 खोखा कारतूस नाल में फंसे हुए व एक मोटरसाईकिल बरामद की है। घायल आरोपियों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। गिरफ्तार आरोपी बाबू बच्चा थाना गंज से हिस्ट्रीशीटर है, जबकि आरोपी इरफान उर्फ पतला थाना स्वार से हिस्ट्रीशीटर है। पूछताछ में आरोपियों द्वारा कबूल किया कि हम लोग मौका देखकर आवारा गोवंशीय पशुओं को काटकर उनका मांस बेचकर धन अर्जित करते हैं और हम गोवंशीय पशु की तलाश में घूम रहे थे। दोनों आरोपियों पर जिले के विभिन्न थानों में 20 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में भोट थानाध्यक्ष अर्जुन सिंह त्यागी, उपनिरीक्षक कार्तिक सहरावत व शुभम कुमार, हेडकांस्टेबल मुमतरीन अहमद, अनुज कुमार व नफीस अहमद,कांस्टेबल रामनिवास, कौशल कुमार, कपिल कुमार व पुष्पेन्द्र कुमार शामिल रहे।

मंडल में 65 हजार से अधिक गोवंशों को मिला सहारा, गोशालाएं भी हुईं आत्मनिर्भर

मुरादाबाद । मंडल में निराश्रित गोवंशों के संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाया गया है। मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक में सामने आया कि मंडल के 218 गो- आश्रय स्थलों में वर्तमान में 65,113 गोवंश संरक्षित हैं। मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना के तहत मंडल की उपलब्धि सराहनीय है। 4125 गोवंशों की सुपुर्दगी के लक्ष्य के सापेक्ष 7703 गोवंश पशुपालकों को सौंपे गए हैं, जो 186.76 प्रतिशत उपलब्धि है। मंडल में अब केवल 684 निराश्रित गोवंश ही शेष बचे हैं। संभल जनपद में सबसे अधिक 27,768 गोवंश संरक्षित किए गए हैं। वहीं बिजनौर में 14,658, मुरादाबाद में 10,781, अमरोहा में 8,647 और रामपुर में 3,259 गोवंश आश्रय स्थलों में रखे गए हैं। गोवंशों के लिए चारे और भूसे की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। मंडल में 4.24 लाख कुंतल से अधिक भूसा संग्रहित किया जा चुका है। साथ ही 372 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर हरा चारा उगाया जा रहा है। नेपियर घास के 6.10 लाख रूट भी वितरित किए गए हैं। गोशालाएं बनी आत्मनिर्भर, गोबर से हो रही कमाईगो आश्रय स्थलों को सरकारी अनुदान पर निर्भरता के बजाय आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर है। मुरादाबाद, अमरोहा और रामपुर के कान्हा और वृहद गो संरक्षण केंद्रों में सीबीजी (गोबर गैस प्लांट) संचालित है। रामपुर के गो आश्रय स्थल किरा में गोबर गैस प्लांट से 15 केवी का जनरेटर भी चलाया जा रहा है। गो उत्पाद और गोबर की बिक्री से मंडल में अच्छी आय हो रही है। रामपुर ने गोबर प्रबंधन से सर्वाधिक 6,17,636 रुपये, अमरोहा ने 5,40,600 रुपये और मुरादाबाद ने 82,829 रुपये की आय प्राप्त की है। मुरादाबाद, बिजनौर और सम्भल में गोबर से लकड़ी (गोकास्ट), मूर्तियां, दीये और धूपबत्ती तैयार की जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जल जीवन मिशन पर डीएम का बड़ा एक्शन, जिले के सभी ओवरहेड टैंकों की होगी जांच

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक में जिले के सभी ओवरहेड टैंकों की जांच कराने के सख्त निर्देश दिए गए।

बैठक में 121 पूर्ण परियोजनाओं की जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी के सामने पेश की गई। ग्राम खतौसा में वायर चोरी के कारण बाधित जलापूर्ति पर अधिकारियों ने बताया कि तीन दिन के भीतर री-वायरिंग कर पानी सप्लाई दोबारा शुरू कर दी जाएगी। वहीं महेशपुर शिव सिंह गांव में टूटी बाउंड्री वॉल को 15 दिन के अंदर दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।इसके अलावा विकासखंड क्यारा के ग्राम सिमरा बोरीपुर में जिन पांच घरों में अब तक पानी के कनेक्शन नहीं हुए थे, वहां इच्छुक परिवारों को जल्द कनेक्शन उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए।

डीएम अविनाश सिंह ने साफ कहा कि जिले में बने सभी ओवरहेड टैंकों की गुणवत्ता और सुरक्षा की जांच कराई जाए, साथ ही अभियंताओं से प्रमाण पत्र भी लिया जाए। आबादी के नजदीक बने टैंकों की जांच को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

बैठक में यह भी बताया गया कि आईआईटी और एनआईटी के तकनीकी विशेषज्ञों से भी निरीक्षण कराया जाएगा, जबकि कार्यदायी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, जल निगम ग्रामीण के अधिशासी अभियंता कुमकुम गंगवार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

चक्रवाती प्रभाव के चलते दूसरे दिन भी तेज आंधी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। चक्रवाती प्रभाव के चलते लगातार दूसरे दिन बुधवार को तेज आंधी और बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया। बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं और लखीमपुर खीरी में बुधवार को भी आंधी के साथ बारिश हुई, जिससे कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए और बिजली आपूर्ति बाधित हुई। बदायूं जिले में मंगलवार को आंधी के दौरान पेड़ गिरने से घायल युवक की मौत हो गई। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है, लेकिन 14 मई से मौसम शुष्क होने की चेतावनी भी दी है। बुधवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे काले बादल छा गए और 15 मिनट तक तेज आंधी चली, जिसके साथ बारिश भी हुई।

आंधी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में कई पेड़ सड़कों पर गिर गए और विद्युत लाइनें क्षतिग्रस्त होने से बिजली गुल हो गई। इससे पहले मंगलवार को आंधी और बारिश के चलते बीते 24 घंटों में अधिकतम तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई थी। सोमवार को अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस था, जो मंगलवार को 32 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। मौसम विशेषज्ञ अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश के मध्य भाग पर बने चक्रवाती परिसंचरण और पुरवा-पछुआ हवाओं की प्रतिक्रिया के कारण बरेली में 70 से 75 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली। मौसम विभाग की चेतावनी- मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के मध्य भाग पर बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण यह मौसमी बदलाव देखने को मिल रहा है। विभाग ने अगले दो दिनों तक बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। हालांकि, इसके साथ ही यह चेतावनी भी दी गई है कि चौदह मई से मौसम पूरी तरह शुष्क हो जाएगा। इस दौरान लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ सकता है।

ईंधन बचाना सिर्फ अभियान ही नहीं, प्रशासन की भी जिम्मेदारी

DM अविनाश सिंह का बड़ा फैसला हफ्ते में 2 दिन 'नो व्हीकल डे', ई-बस से जाएंगे अधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ईंधन बचाओ मुहिम को ज़मीन पर उतारते हुए बरेली के जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बड़ा कदम उठाया है। डीएम अविनाश सिंह ने पहले अपने काफिले से एस्कॉर्ट गाड़ियां हटाईं और अब पूरे जिले में 'नो व्हीकल डे' लागू कर दिया है। बुधवार सुबह डीएम खुद सुरक्षा गार्ड और अर्दली के साथ पैदल चलकर आवास से कलेक्ट्रेट पहुंचे। उनका साफ संदेश था – ईंधन बचाना अब सिर्फ अभियान नहीं, प्रशासन की भी जिम्मेदारी है नई व्यवस्था के तहत अब हफ्ते में दो दिन जिले के अधिकारी सरकारी और निजी गाड़ियों का इस्तेमाल नहीं करेंगे। अफसरों को साइकिल या पैदल दफ्तर पहुंचना होगा। प्रशासन का मानना है कि इससे ईंधन की बचत होगी, प्रदूषण कम होगा और अधिकारियों की फिटनेस भी बेहतर बनेगी। इतना ही नहीं, अब तहसील दिवस, समाधान दिवस और गांव की चौपाल में अधिकारी अलग-अलग गाड़ियों से नहीं जाएंगे। सभी अफसर सरकारी बस या ई-बैटरी बस से सामूहिक रूप से रवाना होंगे। डीएम ने सभी विभागों को इस व्यवस्था को पूरी तरह लागू करने के निर्देश दिए हैं।

विधान परिषद विशेषाधिकार समिति की बैठक की तैयारियों को लेकर समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विशेषाधिकार समिति की प्रस्तावित बैठक की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल, विकास कार्यों में खर्च की गई धनराशि, किसानों को नलकूप कनेक्शन, नहरों की सिल्ट सफाई, गड्ढा मुक्त सड़कों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, शिकायत प्रकोष्ठों की मॉनिटरिंग सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पूरी जानकारी के साथ समय से बैठक में उपस्थित रहें। बैठक में अपर जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट, परियोजना निदेशक समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अपहरण का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, एक सिपाही भी हुआ घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में देर रात्रि पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान अपहरण के एक वांछित आरोपी को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ में एक सिपाही भी घायल हुआ है। यह घटना मुठभेड़ मंगलवार रात कलापुर पुलिया पीलीभीत मार्ग पर वाहन चेकिंग के दौरान हुई। थाना पुलिस के मुताबिक टीम ने बाइक सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे भागने लगे। पीछा करने पर बाइक सवारों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिससे सिपाही नीशू तिवारी घायल हो गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी विमल के दाहिने पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया, जिसकी तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपी विमल इज्जतनगर थाने में दर्ज अपहरण के एक मामले में वांछित था। घायल आरोपी और सिपाही को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने विमल के कब्जे से एक तमंचा, कारतूस, 250 रुपये नकद और चोरी की बाइक बरामद की है। इस मुठभेड़ के संबंध में इज्जतनगर थाने में नया मामला पंजीकृत किया गया है। युवक को किया था अगवा पूछताछ में अभियुक्त विमल ने बताया कि उसने अपने साथियों उमाशंकर, आकाश और हरनेश के साथ मिलकर नौ मई 2026 को फन सिटी के आगे से एक युवक का अपहरण किया था। इस अपहरण कांड में उसका साथी उमाशंकर पहले ही पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। विमल फरार चल रहा था। अन्य की तलाश की जा रही है।

आंवला में माध्यमिक विद्यालयों की हुई बैठक

शिक्षा पोर्टलों से लेकर स्व-गणना तक दिए गए अहम निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आंवला। माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत तहसील आंवला के समस्त माध्यमिक विद्यालयों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को सर्वोदय जनकल्याण इंटर कॉलेज में आयोजित की गई। बैठक प्रात: 10 बजे जिला समन्वयक समग्र शिक्षा (माध्यमिक) वीरेंद्र गंगवार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विद्यालयों से जुड़े विभिन्न ऑनलाइन पोर्टलों एवं शैक्षिक गतिविधियों की समीक्षा की गई। वीरेंद्र गंगवार ने ट्रैक शिक्षा पोर्टल एवं यू-डाइस पोर्टल पर छात्रों के प्रोग्रेशन तथा एमबीयू पेंडेंसी को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही इको क्लब फॉर मिशन लाइफ के नोटिफिकेशन अपलोड करने और खान अकादमी पोर्टल पर बच्चों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कराने पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त परिवहन विभाग द्वारा विकसित पोर्टल पर विद्यालयों में उपलब्ध वाहनों की सूचना अपडेट करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में जनगणना के अंतर्गत 7 मई से 21 मई तक आठ चरणों में मोबाइल के माध्यम से स्व-गणना प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई तथा विद्यालयों को आ रही समस्याओं का समाधान भी किया गया बैठक में तहसील नोडल राजकुमार सिंह, प्रधानाचार्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय इंटर कॉलेज वलई भगवन्तपुर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज आंवला की प्रधानाचार्य श्रीमती सुमन एवं तकनीकी सहायक सोनू यादव सहित अनेक प्रधानाचार्य एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

डंपर की टक्कर से बियर की दुकान के सेल्समैन की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच /। नाजिम हुसैन अंसारी / भगतपुर।क्षेत्र के ग्राम चक कचनाल के मोड़ के पास मंगलवार की रात्रि ग्राम उधौपुरा पूर्वी निवासी दीपू 24 को डंपर ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दीपू गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे उपचार के लिए भोजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

दीपू भगतपुर क्षेत्र के ग्राम बहेड़ी रोशनपुर स्थित बियर की दुकान पर सेल्समैन का कार्य करता था एवं 15 दिन पूर्व उसका विवाह हुआ था।

परिजनों के अनुसार मंगलवार की रात्रि करीब 8=30 बजे दीपू ड्यूटी पर मौजूद था एवं वहां से शादी में जाने की बात कह कर बाइक द्वारा निकला था। बताया कि जैसे ही वह चक कचनाल गांव के पास मोड़ के नजदीक पहुंचा तभी भोजपुर की दिशा से आ रहे एक डंपर के चालक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दीपू गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोजपुर भिजवाया जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दीपू का करीब 15 दिन पूर्व विवाह हुआ था। दीपू तीन भाइयों में सबसे छोटा था एवं बहेड़ी रोशनपुर स्थित बियर की दुकान पर सेल्समेन का कार्य करता था। उसकी मौत से उसकी पत्नी गुड्डी एवं मां उषा देवी सहित परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वही भगतपुर थाना प्रभारी राजीव शर्मा ने बताया कि डंपर व उसके चालक को पकड़ कर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, विधि कार्रवाई जारी है

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सुभाष नगर पुलिस ने तमंचा लेकर घूम रहे युवक को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय अंजनी तिवारी के नेतृत्व में थाना सुभाषनगर पुलिस टीम ने अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बदायूं रोड स्थित नए बाजार करगैना के पहले गेट के पास एक संदिग्ध युवक अवैध तमंचा लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और हनी पुत्र हरिओम निवासी करगैना को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक अवैध 315 बोर तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह तमंचा अपनी सुरक्षा के लिए रखता था और अदालत में अपना पक्ष रखेगा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस पूरी कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन, चौकी इंचार्ज राजेन्द्र सिंह सिरोही, उपनिरीक्षक दुर्वेश सिंह और कांस्टेबल आकाश राणा की अहम भूमिका रही।

जिला अस्पताल के वार्ड बॉय और सहायक हटाए गए, ठेले पर मरीज ले जाने के मामले में हुई कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिला अस्पताल की इमरजेंसी के बाहर एक बुजुर्ग महिला मरीज को ठेले पर ले जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में खलबली मची हुई है। इस मामले में प्रथम दृष्टया लापरवाही बरतने के आरोप में इमरजेंसी वार्ड में तैनात वार्ड बॉय और वार्ड सहायक को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। इससे पहले ड्यूटी पर मौजूद सिक्योरिटी गार्ड को भी हटाया जा चुका है। शासन और प्रशासन दोनों स्तरों पर इस घटना की सघन जांच की जा रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. विश्राम सिंह और एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने सीएमओ कार्यालय में मरीज के इलाज से जुड़े दस्तावेजों और फाइलों का निरीक्षण किया। जांच कमेटी ने एडीएसआईसी डॉ. आरसी दीक्षित और डॉ. एलके सक्सेना से मरीज के भर्ती होने और उसे दिए गए उपचार के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। शुरुआती जांच में यह पाया गया कि इमरजेंसी स्टाफ ने मरीज को एम्बुलेंस या स्ट्रेचर उपलब्ध कराने में संवेदनशीलता नहीं दिखाई, जिसके चलते उसके पति को ठेले का सहारा लेना पड़ा।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत - पीलीभीत जनपद में मोडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और अवैध हूटर लगाकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया। एआरटीओ प्रवर्तन वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में पूरनपुर क्षेत्र और पीलीभीत शहर में हुई कार्रवाई के दौरान 6 वाहनों के चालान किए गए तथा 1 वाहन सीज किया गया। अभियान में अवैध हूटर लगाकर वाहन चला रहे 2 चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन के लिए नोटिस जारी किए गए। वहीं बिना पंजीकरण सवारियां ढो रहे 2 ई-रिक्शा भी सीज किए गए। इसके अलावा 2 ओवरलोड वाहनों पर भी चालान की कार्रवाई की गई। एआरटीओ ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और निर्धारित मानकों के अनुसार ही वाहन चलाने की अपील की।

घर में छह सदस्य और छह बदमाश, अंदर से ही खोला गया डिजिटल लॉक, मकान में ही छिपा है भेदी; 1.20 करोड़ की डकैती

मुरादाबाद में पीतल कारोबारी इमरान के घर हुई डकैती में पुलिस जांच डिजिटल लॉक पर आकर टिक गई है। एक्सपर्ट की राय में सामने आया कि लॉक बिना रिमोट के न तो खुल सकता था और न ही चाबी से संचालित हो सकता खोला गया। परिवार के छह हैं।मुरादाबाद के पीतल कारोबारी इमरान के मकान का डिजिटल लॉक के बारे में एक्सपर्ट से राय नहीं खुल सकता है। केवल गया। पुलिस ने परिवार के सभी लग गए हैं। पीतल कारोबारी घुसने में परेशानी हुई और न ही पहुंचे और उन्होंने निरीक्षण किया। गईं। जिसके तोड़ने पर आवाज ऐसा कुछ नहीं हुआ था।पुलिस पुलिस ने दोबारा परिवार के

था। इससे पुलिस को शक है कि लॉक मकान के अंदर से ही सदस्यों से अलग-अलग पूछताछ में पुलिस को अहम सुराग मिले के घर डकैती के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पीतल कारोबारी लॉक मकान के अंदर से ही खोला गया था। पुलिस ने डिजिटल ली तो पता चला कि यह लॉक बिना रिमोट के किसी चॉबी से तोड़ा ही जा सकता है। इसके बाद पुलिस का शक और गहरा छह सदस्यों से अलग अलग पूछताछ भी की तो अहम सुराग हाथ इमरान के घर में डकैती डालने वाले बदमाशों को न तो घर में भागने में।मुरादाबाद से लेकर बरेली तक अधिकारी घटनास्थल पर इस घटना में सभी की निगाहें डिजिटल लॉक पर आकर टिक आती और दूसरी चॉबी लगाने पर अलार्म भी बज जाता लेकिन ने डिजिटल लॉक के बारे में एक्सपर्ट से राय ली। इसके बाद लोगों से पूछताछ की। सभी को अलग अलग रखकर सवाल किए। इससे पुलिस को अहम कड़ी हाथ लग गई है। पुलिस सूत्रों का दावा है कि डिजिटल लॉक अंदर से ही रिमोट से खोला गया था। इसके बाद पुलिस कड़ी से कड़ी जोड़ने में जुट गई है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि डकैती के संबंध में अहम सुराग हाथ लगे हैं । जिसके जरिए बदमाशों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।कारोबारी के घर में ही छिपा भेदी- पुलिस कारोबारी के घर के भेदी तक पहुंच गई है। उसके मोबाइल की कॉल डिटेल से पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे हैं। इस भेदी और डकैती की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश के बीच रविवार की शाम से लेकर रात तक कई बार बातचीत हुई है। पुलिस ने भेदी से लंबी पूछताछ की है।पुलिस मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी और नकदी व जेवर बरामद करने में जुटी है। पुलिस ने जिन दो संदिग्धों को उठाया है। उनसे पूछताछ में यह भी बात सामने आई कि वह केवल कैश ही लूटने आए थे जेवर टेबल पर रखे मिल गए तो उन्हें भी ले गए थे। पुलिस का दावा है कि वह खुलासे के बेहद करीब है। पूरे नेटवर्क की जानकारी हो गई है। घर में छह सदस्य, छह बदमाश -कारोबारी के घर में घटना के समय छह सदस्य मौजूद थे। इस बारे में बदमाशों को पूरी जानकारी थी। छह बदमाश ही मकान में घुसे थे। बाकी बदमाश बाहर रहे थे।पुलिस को गुमराह करने के लिए बदल दिया रास्ता, दिल्ली रोड की ओर भागे बदमाश - कारोबारी के घर वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों को बैकअप देने के लिए उनके साथी कॉलोनी और नागफनी रोड पर मौजूद थे। नागफनी रोड पर ही दो कारें खड़ी थीं। जिसमें सवार होकर बदमाश भागे थे।पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो पता चला कि बदमाश पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले नागफनी की ओर भागे लेकिन आगे जाकर उन्होंने रास्ता बदल दिया और दिल्ली ओर की ओर भागे थे।500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, 100 से ज्यादा मोबाइल फोनों की देखी सीडीआर- नागफनी थानाक्षेत्र के अकबर कंपाउंड में कारोबारी इमरान के घर डाका डालने वाले बदमाशों की तलाश में पुलिस तेजी से जुटी है। पुलिस ने 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली है। आसपास के इलाकों और संभावित रास्तों के कैमरे जांचे जा रहे हैं।100 से अधिक मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) भी देखी जा रही है। पुलिस इन तकनीकी सबूतों से बदमाशों तक पहुंचने में जुटी है। नागफनी, कोतवाली, कटघर, मझोला, पाकबड़ा और मूंढापांडे तक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई है।

आंधी का कहर: बदायूं में दो बच्चियों समेत पांच की मौत, जिलेभर में सैकड़ों पेड़ गिरे, खंभे टूटे

बदायूं जिले में लगातार दूसरे दिन आई आंधी से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। बिसौली तहसील क्षेत्र में आंधी के दौरान कहीं पेड़ गिरे तो कहीं दीवार, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। एक अन्य युवक मंगलवार को घायल हुआ था, जिसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।बदायूं जिले में कहर बनकर आई आंधी से बिसौली क्षेत्र में पांच लोगों की मौत हो गई। बुधवार को करीब घंटेभर चली तेज आंधी और बारिश के दौरान हुई घटनाओं में दो की आंधी के दौरान पेड़ गिरने से घायल हुए युवक बादल छा गए और तेज हवा चलीं। इससे बिसौली बिजली के खंभे और लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं। कल्लो देवी (40 वर्षीय) अपनी 18 साल की बेटी साथ गांव के ही शेर सिंह की नौ वर्षीय बेटी रजनी चली तेज हवा और बादलों की गरज से डरकर वे था। वह दीवार तेज आंधी में ढह गई। सभी इसके इसलिए ये दोनों आसानी ने निकल आईं। रजनी बुलाया और ग्रामीणों के प्रयास से बाहर निकाला मौसमी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गिरा पेड़, चालक की मौत -इधर, बुधवार को अनूपशहर जिला बुलंदशहर बजरी लेकर बिल्सी

बच्चियों समेत चार लोगों की जान चली गई। जबकि, मंगलवार ने भी दम तोड़ दिया।बुधवार की सुबह करीब 11 बजे काले तहसील क्षेत्र में एक हजार से अधिक छोटे-बड़े पेड़ टूट गए। बिसौली क्षेत्र के गांव सिद्धपुर कैथोली की मढ़ैया निवासी नेहा के साथ गांव से बाहर बटिया से उपले लेने गई थीं। उनके और सुनील की 10 वर्षीय बेटी मौसमी भी थी।अचानक सब एक छप्पर में छिप गए। यह छप्पर जिस दीवार पर रखा नीचे दब गई। कल्लो देवी और नेहा का आधा हिस्सा दबा था, और मौसमी पूरी तरह से दब गई। नेहा ने गांव से लोगों को गया। मौके पर ही रजनी ने दम तोड़ दिया था। जबकि, गया, जहां उसने कुछ देर बाद ही दम तोड़ दिया। डंपर पर डंपर चालक योगेश (35) निवासी नगला भोपत, थाना की ओर जा रहे थे। जैसे ही डंपर सोत के पुल निर्माण के लिए अलग से बनाए रास्ते पर पहुंचा। आंधी के कारण यूकेलिप्टस का पेड़ डंपर पर गिर गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। कोठरी ढहने से महिला की मौत -फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के गांव तरक परौली निवासी कुछ लोग मैंथा के खेत में काम कर रहे थे कि अचानक आंधी आ गई। यह लोग पास के नलकूप की कोठरी में चले गए। कोठरी के पास में खड़ा पेड़ जड़ से उखड़कर कोठरी पर गिर गया। जिससे कोठरी ढह गई। इसमें लक्ष्मी (50 वर्षीय) पत्नी अमर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि साथ में गांव के कोटेदार की पत्नी घायल हो गई। वहीं, थाना क्षेत्र के गुलाबबाग निवासी 20 वर्षीय अंशुल शर्मा पुत्र छुट्टन शर्मा मंगलवार शाम पेड़ गिरने की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। परिजन उन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान देर रात उनकी मौत हो गई। सैकड़ों पेड़ गिरे-बुधवार को जिले में आई आंधी ने चारों ओर तबाही का मंजर कायम कर दिया। आंधी से सैकड़ों पेड़ों के गिरने से जनहानि के साथ ही रोड पर आवागमन ठप हो गया। जगह- जगह पर गिरे पेड़ों की वजह से वाहनों का निकलन मुश्किल हो गया। रोड पर खड़े वाहनों को घंटों पेड़ हटाने का इंतजार करना पड़ा। दातागंज में पापड़ और गनगोला गांव के बीच आंधी में पेड़ गिरने से दातागंज बदायूं मार्ग बंद हो गया। करीब डेढ़ घंटे तक आवाजाही बंद रही। कुछ दोपहिया वाहन चालक खेतों से होकर निकलते रहे। डेढ़ घंटे बाद पेड़ काटकर हटाया गया तब जाके रास्ते पर आवागमन चालू हुआ। वहीं आंधी के दौरान खंभे टूटने से बिजली आपूर्ति ठप हो गई। बिसौली के तहसीलदार सुरेंद्र कुमार ने बताया कि राजस्व निरीक्षक और लेखपाल की ओर से आंधी से किसानों की मक्का सहित सभी फसलों के नुकसान का और जनहानि का आंकलन किया जा रहा है। जिसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जायेगी, शासन के निर्देशानुसार ही राहत कार्य से संबंधित प्रभावित परिवारों को जल्द सहायता पहुंचाई जाएगी। मार्ग पर गिरे पेड़ों को हटाने के लिए पुलिस प्रशासन और वन विभाग को निर्देशित किया गया है।

उत्कर्ष ने 99.2 प्रतिशत अंक हासिल कर किया बागपत टॉप, नव्या जैन बनीं शामली की टॉपर

बुधवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। बागपत और शामली दोनों ही जिलों के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने उज्ज्वल भविष्य की झलक दिखा दी है।केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड हैं, जिसमें छात्रों ने अपनी मेधा का लोहा अंक हासिल कर न केवल जिला टॉप किया वहीं, शामली जिले में स्कॉटिश इंटरनेशनल पहला स्थान प्राप्त किया है।उत्कर्ष- निरंतरता बार फिर उनकी निरंतर मेहनत और लगन प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन पहले भी दो बार जेईई मेंस परीक्षा में उत्तर 13वीं रैंक और बाद में 27वीं ऑल इंडिया प्रदर्शन की बात करें तो उत्कर्ष ने गणित और इसके अलावा, भौतिक विज्ञान में 99, रसायन उपलब्धि के पीछे उनकी नियमित अभ्यास, रहा। उत्कर्ष के पिता दीपेंद्र खोखर सकौती

(सीबीएसई) की 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित हो गए मनवाया है। बागपत जिले में बड़ौत के उत्कर्ष ने 99.2 प्रतिशत है, बल्कि जेईई मेंस में भी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन दोहराया है। स्कूल की नव्या जैन ने 98.2 प्रतिशत अंकों के साथ जिले में और मेहनत का प्रतीक- बागपत के उत्कर्ष की सफलता एक का प्रमाण है। उन्होंने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में 99.2 किया है। उत्कर्ष का शैक्षणिक सफर असाधारण रहा है। वह प्रदेश टॉपर रह चुके हैं। फरवरी सत्र में उन्होंने ऑल इंडिया रैंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था।विषयवार शारीरिक शिक्षा में शत-प्रतिशत अंक (100-100) प्राप्त किए। विज्ञान में 98 और कला में 99 अंक हासिल किए। इस शानदार अनुशासित दिनचर्या और प्रतिदिन 10 घंटे पढ़ाई का समर्पण चीनी मिल मेरठ में महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता गीता जनता वैदिक इंटर कॉलेज में गणित शिक्षिका हैं। उनकी बड़ी बहन दिशा एमबीए करने के बाद चंडीगढ़ में एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। परिवार का निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन उत्कर्ष की सफलता की मजबूत नींव रहा है। शामली में नव्या जैन का जलवा-शामली जिले में सीबीएसई 12वीं के परीक्षा परिणामों ने छात्रों में खुशी की लहर दौड़ाई है। स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा नव्या जैन ने 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि ने स्कूल और जिले का मान बढ़ाया है। नव्या जैन के बाद, सौम्यता मित्तल 98 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, और इसी स्कूल की छात्रा सना ने 97.8 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। इन छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाया है।भविष्य की राह- इन मेधावी छात्रों की सफलताएं न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि यह अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। यह परिणाम दर्शाता है कि कड़ी मेहनत, सही मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

जनगणना 2027 की तैयारी तेज, केंद्रीय कार्यालयों ने पोर्टल पर दर्ज की जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत। आगामी जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत बुधवार को जिले में विभिन्न केंद्रीय सरकारी कार्यालयों एवं वित्तीय संस्थानों द्वारा स्व-गणना कार्यक्रम आयोजित किया

गया। कार्यक्रम के दौरान बैंक, रेलवे, डाकघर, कोषागार और जीएसटी विभाग से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्व-गणना पोर्टल पर अपनी-अपनी सूचनाएं दर्ज कराईं।
अधिकारियों ने बताया कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य जनगणना को डिजिटल, सटीक और समयबद्ध बनाना है। डाक विभाग सहित अन्य केंद्रीय कार्यालयों ने भी ऑनलाइन माध्यम से अपनी गणना प्रक्रिया पूरी की।
प्रशासन के अनुसार स्व-गणना व्यवस्था से आंकड़ों की शुद्धता बढ़ेगी और भौतिक गणना का कार्यभार भी कम होगा। केंद्र सरकार के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान को जनगणना 2027 की तैयारियों में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सनातनी त्योहार,वट सावित्री व्रत को लेकर महिला शिक्षक शिक्षक संघ पदाधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली।महिला शिक्षक संघ बरेली की जिलाध्यक्ष राखी सक्सेना के नेतृत्व में बेसिक शिक्षा

अधिकारी को सनातन धर्म के पावन पर्व वट सावित्री व्रत के लिए एक दिन का विशेष अवकाश (महिला अवकाश) घोषित किए जाने को लेकर ज्ञापन सौंपा, ज्ञापन में मांग की , 16 मई 2026 को विभिन्न जनपदों में मनाए जाने वाले सनातन धर्म के पावन पर्व वट सावित्री व्रत को धूम धाम से मनाने के लिए महिला शिक्षकों एवं कार्मिकों को उक्त दिवस का विशेष अवकाश घोषित किया जाए, जिससे वे श्रद्धापूर्वक सावित्री व्रत एवं पूजा-अर्चना संपन्न कर सकें। संघ ने दिव्यांग, अस्वस्थ या गंभीर बीमारियों से ग्रस्त शिक्षिकाएं, गर्भवती शिक्षिकाएं को जनगणना ड्यूटी से मुक्त करने तथा समायोजन में महिला शिक्षिकाओं से विकल्प लेने की अपील की गयी। ज्ञापन देने वालों में जिलामंत्री संगीता मित्तल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपाली सक्सेना, मोना सिंह, शैली कपूर आदि पदाधिकारी मौजूद रहीं।

संजय का मिला शव- पत्नी की मौत के बाद भाभी के यहां रहते थे, पांच दिन पहले काम के लिए निकले घर से, अब मिली लाश

बुधवार सुबह मजदूर संजय का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। पास में शराब का ग्लास व जहरीली दवाएं मिलीं। पुलिस आत्महत्या की आशंका जता रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों की पुष्टि होगी।जंक्शन मार्ग पर मौजपुर गांव के बाहर बुधवार सुबह एक

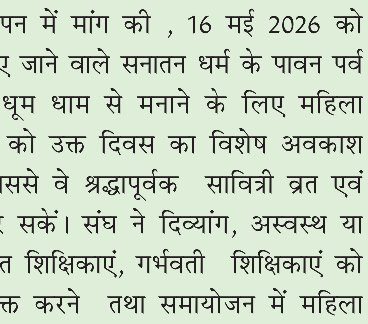

मजदूर का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला। शव के पास शराब का ग्लास व जहरीली दवाएं मिलीं, जिससे पुलिस आत्महत्या की आशंका जता रही है। हालांकि अभी कुछ स्पष्ट नहीं हुआ है।जंक्शन चौकी प्रभारी ने बताया कि अलीगढ़ जनपद के चंडौस कस्बा निवासी संजय (40) मौजपुर गांव में ही अपनी भाभी उर्मिला के यहां अपनी आठ वर्षीय बेटी ईसू उर्फ गुड़िया के साथ किराये पर रहते थे। वहीं मौजपुर गांव के पास आटा चक्की में मजदूरी करते थे। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, कुछ महीन पहले ही संजय की पत्नी की बीमारी से मौत हो गई थी। तब से संजय अवसाद में रहने लगे थे।पांच दिन पहले संजय मजदूरी के लिए निकले थे, लेकिन घर वापस नहीं लौटे। बुधवार सुबह उनका शव सड़क किनारे पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम जांच के लिए भेज दिया। सीओ शोभित कुमार ने बताया कि प्रथमा दृष्टया घटना आत्महत्या की लग रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों की पुष्टि होगी।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
14 May 2026

कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देश पर एक्शन मोड में नगर पालिका; शिवपुरी की सड़कों से हटा अतिक्रमण, मंडी में दिखी नई व्यवस्था

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार नगर पालिका सीएमओ इशांक धाकड़ द्वारा चलाए जा रहे %विशेष स्वच्छता एवं अतिक्रमण हटाओ अभियान% के तहत सुभाष पार्क मंडी से लेकर कोर्ट रोड तक प्रशासन का सख्त तेवर दिखाई दिया।

सुभाष पार्क मंडी में दिखा बदलाव, नियम तोड़ने वालों पर सख्ती़जब नगर पालिका की टीम सुभाष पार्क सब्जी मंडी और वार्ड क्रमांक 22 पहुंची, तो वहां व्यवस्थाएं पहले से बेहतर मिलीं। पूर्व में दी गई चेतावनी का असर यह रहा कि अधिकांश ठेला संचालकों ने अपनी हद में रहकर व्यापार शुरू कर दिया है। हालांकि, निरीक्षण के दौरान जहां भी गंदगी या खुले डस्टबिन मिले, टीम ने उन्हें तत्काल जप्त कर लिया। सीएमओ ने स्पष्ट किया कि कचरा सड़क पर फेंकना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नालियों की सफाई और मौके पर खुलवाई दुकानें- स्वच्छता अभियान के दौरान टीम ने न केवल अतिक्रमण हटाया, बल्कि नालियों की विशेष सफाई भी सुनिश्चित कराई। इस दौरान कुछ दुकानें बंद पाई गईं, जिन्हें मौके पर ही संचालकों को बुलवाकर खुलवाया गया। दुकानदारों को कड़े शब्दों में हिदायत दी गई कि वे स्वच्छता नियमों का पालन करें, अन्यथा चालानी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

अवैध निर्माणों पर नगर पालिका की कार्यवाही-अभियान के दौरान उन पक्के अतिक्रमणों को भी ध्वस्त किया गया जो लंबे समय से यातायात में बाधक बन रहे थे। कई व्यापारियों को अंतिम चेतावनी दी गई है कि वे स्वयं अपना अतिक्रमण हटा लें, वरना नगर पालिका कार्रवाई कर सामग्री जप्त करने की प्रक्रिया शुरू करेगी।

कोर्ट रोड पर अनुशासन का पाठ-सुभाष पार्क के बाद टीम कोर्ट रोड फल-सब्जी मंडी पहुंची। यहाँ अव्यवस्थित तरीके से खड़े ठेलों को लाइन में लगवाया गया। व्यापारियों को चेतावनी दी गई कि यदि कल से सड़क पर एक भी टोकरी या ठेला सीमा से बाहर मिला, तो जब्ती की जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी।सीएमओ की अपील- शिवपुरी को स्वच्छ बनाना सामूहिक जिम्मेदारी

नगर पालिका सीएमओ इशांक धाकड़ ने कहा कि हमारा उद्देश्य व्यापारियों को परेशान करना नहीं, बल्कि शहर में स्थायी सुधार लाना है। उन्होंने नागरिकों और व्यापारियों से अपील की है कि वे स्वच्छ शिवपुरी, स्वस्थ शिवपुरी के संकल्प में सहभागी बनें। उन्होंने साफ किया कि नियमों का पालन करने वालों को पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन बार-बार नियम तोड़ने वालों के खिलाफ प्रशासन अब और अधिक कठोर कदम उठाएगा।

श्रीमंत राजामाता विजयाराजा सिंधिया जी की स्मृति में हॉकी स्टेडियम शिवपुरी मे आयोजित होने जा रही अंडर-16 बालिका हॉकी खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिला शिवपुरी के श्रीमंत माधवराव सिंधिया जिला खेल परिसर के हॉकी एस्टोटर्फ मैदान पर श्रीमंत राजामाता विजयाराजा सिंधिया जी की स्मृति में कै. राजमाता विजयाराजे सिंधिया सेंटर फॉर डॉबलपमेंट (म.प्र.) द्वारा राज्य हॉकी फीडर सेंटर अंडर-16 बालिका हॉकी खेल प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 12 से 14 मई 2026 तक किया जा रहा है, जिसमे खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के 29 जिलों में संचालित हॉकी फीडर सेंटर के खिलाड़ियों को नियमित रूप से प्रशिक्षकों के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अंडर-16 बालिका हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा सभी खिलाड़ियों को अपने उद्बोधन में खेल भावना से खेलने एवं खेलो के क्षेत्र में जिले एवं प्रदेश के साथ-साथ राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना अच्छा प्रदर्शन करने हेतु कहकर कार्यक्रम का शुभारंभ करने की घोषणा की। साथ ही 06 जिलों शिवपुरी, देवास, ग्वालियर, गुना, सागर एवं नर्मदापुरम से आये सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर श्रीमती रंजना चतुर्वेदी विधिक प्राधिकरण सचिव शिवपुरी, श्री अरूण कुमार सिंह म.प्र. राज्य महिला क्रिकेट अकादमी के प्रशिक्षक जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी, डॉ. के. के खरे के अतिरिक्त टीक के साथ आये प्रशिक्षक श्रीमती गीता लखेरा, श्री शेलेन्द्र बुन्देला, श्रीमती सुनीता कंवर गुना, सुमित खजूर, देवास, श्रीमती संगीता दीक्षि, गिरीश मिश्रा मामा, राजेन्द्र शिवहरे, कप्तान सिंह व खेल विभाग के कर्मचारी व वरिष्ठा खिलाड़ी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाले सभी खिलाड़ियों को स्पोटर्स किट एवं प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को ट्राफी एवं मेडल से पुरूस्कृत किया जायेगा।

पूर्वमंत्री आबिद रज़ा ने ग्राम गाभियाई मे हदीरे वाले मियां साहब की दरगाह पर की चादरपोशी

क्यूँ न लिखूँ सच / आबिद रज़ा ने ग्राम गाभियाई मे हदीरे वाले मियां साहब की दरगाह पर चादरपोशी व गुलपोशी कर अपनी अकीदत पेश की। दरगाह पर पहुँचने पर दरगाह कमेटी के अध्यक्ष अक्कन खां व सचिव अमीर उल्ला ने पूर्वमंत्री आबिद रज़ा का फूलमाला पहनाकर भव्य स्वागत किया। उसके बाद पूर्व मंत्री आबिद रजा ने दरगाह शरीफ पर पहुंचकर सबसे पहले मजार पर चादर चढ़ाई और गुलपोशी की, साथ ही उन्होंने मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे, तरक्की और खुशहाली के लिए दुआ मांगी। उन्होंने अल्लाह से दुआ की कि देश में आपसी प्रेम और सौहार्द बना रहे तथा सभी लोगों की जिंदगी खुशहाल हो।

पूर्व मंत्री आबिद रज़ा ने कहा कि उर्स जैसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता और सद्भाव को मजबूत करते हैं। यहां हर धर्म और समुदाय के लोग एक साथ आकर दुआ करते हैं, जो हमारे देश की गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में प्रेम और भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है। इस मौके पर मुख्य रूप से अक्कन खां अध्यक्ष व अमीर उल्ला सचिव दरगाह कमेटी, नन्हें, अकरम, चंदा मियां प्रधान, हिफाजत भाई, हसन फौजी, अय्यूब, नवाजिश, सोहिल सिद्दीकी, हर्षित यादव, अनवर खां आदि लोग मौजूद रहें।

किसान रासायनिक उर्वरकों के साथ जैविक उर्वरकों का समावेश कर करें संतुलित उर्वरक प्रबंधन

क्यूँ न लिखूँ सच / आज ग्राम खुनक के प्रगतिशील किसान अब्बाल अली के प्रक्षेत्र पर फील्ड डे का आयोजन किया गया। ? कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 फैज मोहसिन, हेड कृषि विज्ञान केन्द्र उझानी एवं अध्यक्षता श्री आर एस वर्मा, अपर जिला सहकारी अधिकारी, बदायु ने की। कार्यक्रम में खुनाक, मिघौनिया, चन्दननगर, खरेर के 80 किसानों ने भाग लिया डा रोशन जी ने किसानों को संतुलित उर्वरक प्रबंधन की जान कारी दी एवं किसानों को रासायनिक उर्वरकों का समझदारी से प्रयोग करने हेतु तरीके सुझाये जितेन्द्र कुमार क्षेत्र प्रबंधक इफको बदायूँ ने जनपद के किसानों का रासयनिक उर्वरकों की खपत कम कर नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का इस्तेमाल बड़ाने हेतु किसानों को इफओ के विभिन्न उत्पादों की जानकारी दी। उन्होने बताया कि कि 30-60 दिन की मक्का की फसल में इफको की नैनो यूरिया-500 मिली, इफको सागारिका-500 मिली एवं नैनो जिंक -100 मिली का प्रतिएकड़ की दर से सम्मिलित इस्तेमाल करने से दानेदार यूरिया की खपत को कम किया जा सकता है एवं मिट्टी पर रासायनिक यूरिया के पड़ रहे दुष्प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है एवं फसल भी स्वस्थ होती है। जायद की फसलों जैसे मक्का,मेंथा एवं मूंगफली की फसल में यूरिया की तुलना में नैनो यूरिया, नैनो डीएपी एवं सागारिका अधिक कारगर है।

प्रगतिशील किसान अब्बास अली एवं मुस्लिम अली ने? कार्यक्रम में नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के अपने अनुभव को साझा किया। उक्त प्रगतिशील किसानों के खेतों पर मक्का की फसल में आधुनिक तकनीक से विकसित इफको नैनो यूरिया, नैनो डीएपी एवं सागारिका के प्रयोग एवं कम यूरिया डीएपी डालकर अच्छी फसल उगायी है, जिसका किसानों को मौके पर अवलोकन काराया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 फैज मोहसिन, हेड कृषि विज्ञान केन्द्र उझानी ने?किसानों को संतुलित उर्वरक प्रबंधन के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिये इफको की तारीफ करते हुये किसानों को फसल विविधीकरण एवं एग्रो फारेस्टरी के प्रति जानकारी दी।

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री आर एस वर्मा, अपर जिला सहकारी अधिकारी, बदायु ने सहकारिता विभाग की किसान हितैषी योजनाओं पर चर्चा करते हुये किसानों को इफओ एवं सहकारिता से जुड़ने का आवाहन किया। श्री राहुल सिंह चौहान ने जायद की फसलों में कीट एवं रोग प्रबंधन पर चर्चा?की। श्रि अनिल कुमार, एसएफ बदायूँ ने इफको के स्पेशिलिटी उद्पादों की जानकारी दी एवं कार्यक्रम के अतं में किसानों का धन्यवाद किया कार्यक्रम में श्री राजेश कुमार सक्सेना, सचिव खुनक बी पैक्स एवं श्री राजीव सक्सेना सचिव मलगांव खुनक बी पैक्स, श्री आकाश प्रभारी ई बाजार मलगांव एवं श्रि राकेश गुप्ता सचिव, नवादा औद्यानिक सचिव सहित प्रोग्रेसिव किसान श्री अब्बास अली, मुस्लिम अली, मुनीफ एवं प्रेमपाल सहित 80 किसानों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया

बुनकरों के हुनर को मिलेगा सम्मान

संत कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार के लिए आवेदन शुरू, 20 हजार तक मिलेगा नकद पुरस्कार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सहायक आयुक्त हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग बरेली परिक्षेत्र बरेली सर्वेश कुमार शुक्ला ने बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और बदायूं के हथकरघा बुनकर बन्धुओं के लिए बड़ी खुशखबरी दी है। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित संत कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट एवं कलात्मक कार्य करने वाले बुनकरों को सम्मानित किया जाएगा।योजना के तहत परिक्षेत्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार पाने वाले बुनकर को 20 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार के लिए 15 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार हेतु 10 हजार रुपये की नकद धनराशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही विजेताओं को शील्ड, अंग वस्त्र एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा॥ प्राप्त सैम्पलों की स्क्रीनिंग कर चयन किया जाएगा। चयनित सैम्पलों को राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए भेजा जाएगा। सभी हथकरघा बुनकर बन्धुओं से अपील की गई है कि वे वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु अपने उत्कृष्ट एवं कलात्मक सैम्पल पूर्ण विवरण सहित दिनांक 18 जून 2026 तक सहायक आयुक्त हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग कार्यालय, सिटी स्टेशन, माल गोदाम के सामने, बरेली में जमा करा दें।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिन बुनकरों को पिछले तीन वर्षों में इस योजना के अंतर्गत पुरस्कार मिल चुका है, उन्हें इस बार चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा।

अयोध्या-काशी के बाद अब बरेली के नाथ कॉरिडोर' पर फोकस, शिवधामों को मिलेगी नई पहचान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। अयोध्या, काशी और मथुरा के बाद अब उत्तर प्रदेश सरकार की नजर बरेली की प्राचीन नाथ परंपरा पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में 'नाथ कॉरिडोर' परियोजना के तहत बरेली के 10 प्रमुख धार्मिक और आध्यात्मिक स्थलों के विकास कार्यों को तेजी दी गई है। करीब 60 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली इस योजना का उद्देश्य धार्मिक विरासत को संरक्षित करने के साथ-साथ स्पिरिचुअल टूरिज्म को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में 'नाथ कॉरिडोर' परियोजना के तहत बरेली के 10 प्रमुख धार्मिक और आध्यात्मिक स्थलों के विकास कार्यों को तेजी दी गई है। करीब 60 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली इस योजना का उद्देश्य धार्मिक विरासत को संरक्षित करने के साथ-साथ स्पिरिचुअल टूरिज्म को बढ़ावा देना है। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के अनुसार सरकार भगवान शिव और नाथ परंपरा से जुड़े प्राचीन स्थलों को एक सूत्र में पिरोकर धार्मिक पर्यटन को नई पहचान देने में जुटी है। विकास भी, विरासत भी की थीम पर इन मंदिरों की पौराणिकता और आध्यात्मिक गरिमा को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। नाथ कॉरिडोर के तहत सदर कैंट स्थित श्री धोपेश्वर नाथ मंदिर के विकास पर 7.74 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। वहीं जोगी नवादा स्थित वनखंडी नाथ मंदिर पर 5.82 करोड़, त्रिवटीनाथ मंदिर पर 6.55 करोड़ और तपेश्वर नाथ मंदिर पर 8.36 करोड़ रुपये की परियोजनाएं संचालित हैं। करीब 930 वर्ष पुराने अलखनाथ मंदिर के विकास पर 11.67 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

संक्षिप्त समाचार

नगर पालिका पर सभाषद ने ही लगाए गम्भीर आरोप

कोंच(जालौन)नगर पालिका परिषद अक्सर विवादों में घिरी नजर आती है और इस बार भी नगर पालिका पर उसके ही बोर्ड सदस्य सभाषद ने आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी से कार्यवाही की मांग की है। मामला बार्ड नम्बर 5 मुहल्ला भगत सिंह नगर का है जहां पर ईदगाह पुलिया से लेकर कर्बला तक नाला निर्माण नगर पालिका परिषद द्वारा कराया जा रहा है जिसका निर्माण मानक बिहीन होने पर बार्ड की सभाषद कमरजहां के प्रतिनिधि शकील अंसारी ने दिन सोमवार को उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल को शिकायती पत्र देते हुए नाला निर्माण की हकीकत बयां की जिसमें उन्होंने बताया कि सीमेंट की मात्रा बिल्कुल कम है और पानी का निकास जहां जाना चाहिए वहां न जाकर ईदगाह ग्राउंड में बसी बस्ती में हो रहा है जबकि नाले का निर्माण 30 या 32 लाख रुपये की लागत से कराया जाना है जिसकी शिकायत सभाषद ने पूर्व में पालिका में की थी लेकिन पालिका द्वारा न तो कोई जांच कराई गई और न ही ठेकेदार पर कोई कार्यवाही हुई जिसके कारण ठेकेदार सरकारी धन का दुरुपयोग करने में लगा हुआ है द्वारा सभाषद ने एस डी एम से जांच कमेंटी बनाकर निर्माणाधीन नाले की जांच कराए जाने की मांग की है।

यातायात नियमों के उल्लंघन करने पर 35 वाहनों को किया सीज

क्यूँ न लिखूँ सच / आज एसएसपी सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में जनपद में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन हेतु विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है जिसके क्रम में यातायात पुलिस बदायूँ द्वारा ऐसे वाहन चालकों को चिन्हित किया गया,जिनके विरुद्ध 10 अथवा उससे अधिक चालान लंबित पाए गए हैं उक्त अभियान के तहत 18 वाहन चालकों के ड्राइविगं लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही परिवहन विभाग,बदायूँ द्वारा की गयी है । इसके अतिरिक्त दिनाँक 09.05.2026 से दिनाँक 10.05.2026 तक चलाए गए 02 दिवसीय विशेष अभियान के अंतर्गत जनपदीय यातायत पुलिस द्वारा मॉडिफाइड साइलेंसर, हूटर, प्रेशर हॉर्न तथा ड्रंकन ड्राइव के तहत सघन चैकिंग अभियान चलाया गया । मॉडिफाइड साइलेंसर में- 66 चालान हूटर के प्रयोग में- 02 चालान प्रेशर हॉर्न में- 533 चालान ड्रंकन ड्राइव (शराब)- 25 चालान यातायात नियमों के उल्लंघन करने पर 35 वाहनों को सीज किया गया अभियान के दौरान कुल 661 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की गई ।

बरेली अपने सीनियर को जय हिंद. न बोलना पड़ा भारी, 15 दिन की ट्रेनिंग का फरमान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । अनुशासन में चूक बरेली के एक सिपाही को भारी पड़ गई। आंवला थाने के

निरीक्षण के दौरान एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा को 'जय हिंद' न बोलने पर कांस्टेबल परम सिंह को 15 दिन के विशेष प्रशिक्षण पर भेज दिया गया। निरीक्षण के दौरान हुई चूक, स्क ने तुरंत लिया एक्शन- एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा मंगलवार को आंवला थाने का निरीक्षण करने पहुंची थीं। निरीक्षण के दौरान कांस्टेबल परम सिंह ने उच्च अधिकारी को नियमानुसार अभिवादन नहीं किया। एसपी ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए तुरंत कार्रवाई की। एसपी अंशिका वर्मा ने कांस्टेबल परम सिंह को 15 दिन के विशेष प्रशिक्षण पर भेजने के निर्देश दिए। अधिकारियों का कहना है कि पुलिस बल में अनुशासन सर्वोपरि है और उच्च अधिकारियों का सम्मान करना हर पुलिसकर्मी की जिम्मेदारी है। इस कार्रवाई के बाद थाने में हड़कंप मच गया। पुलिस महकमे में चर्चा है कि छोटी सी चूक भी बड़ी कार्रवाई का कारण बन सकती है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Car AC: Why is it wrong to turn on the AC immediately after starting the car? Learn the disadvantages of turning it on immediately.

In this scorching heat, people often turn on the AC immediately after getting into their car. However, this habit can be detrimental to both your car and your health. Let's explore this in this article. During this intense heat, it's common for many people to turn on the AC immediately after getting into their car. It's worth noting that turning on the AC immediately after getting into a car in this scorching heat is detrimental to both your health and your car. In fact, when a car is parked in the sun, the temperature inside it becomes much higher than outside. This causes harmful gases like benzene to be emitted from the car's plastic parts, which can be extremely harmful to your health. Therefore, it's important to follow certain rules before getting into a car in extreme heat. Let's explore this in this article. What effect does it have on the engine and battery? Running the AC immediately puts the entire load of the compressor directly on the engine and battery, which can shorten their lifespan. Running the AC before the engine has cooled down puts it under more pressure, resulting in increased petrol or diesel consumption. Serious risk of toxic gases - Benzene emissions - Heating the dashboard and seats of the car releases toxic benzene gas, which can be carcinogenic. Air pressure - When the AC is turned on immediately, this gas cools and accumulates inside the cabin instead of escaping. Health effects - Breathing this polluted air can cause headaches, lethargy, and anxiety. What is the correct way to operate the AC? First, close and open the car doors 4-5 times. Then, start the car and roll down all the windows to allow hot air and toxic gases to escape. Before pressing the AC button, run only the blower for 1-2 minutes to allow for air ventilation. After this, when the hot air of the cabin goes out, then roll up the windows and turn on the AC. Important tips for better cooling - Turn on the 're-circulation mode' only after the cabin cools down so that the cool air inside does not go out. If possible, always park the car in a shady place so that the temperature of the cabin does not increase too much. To maintain the cooling of the AC, get its filter cleaned and gas checked from time to time.

Lupus Risk: Butterfly-Shaped Rashes on Your Face? Are You at Risk for This Dangerous Disease?

Some people are born with a predisposition to lupus. Certain infections, certain medications, or even sunlight can trigger this condition. Are you a victim? Health experts say that early detection and treatment of underlying health problems can significantly reduce the risk of serious illness. Many illnesses may have seemingly minor symptoms, but if they're not identified and treated promptly, they can pose serious risks. Skin rashes, frequent fatigue, and joint pain may seem common. People often dismiss them as simple allergies or seasonal changes. However, these symptoms can sometimes be signs of a serious underlying condition, such as lupus. Lupus is an autoimmune disease in which the body's immune system mistakenly attacks its own healthy organs and tissues. This causes inflammation in the joints, skin, kidneys, and other organs. The most worrying thing is that there's no cure; medications can only control the symptoms. Learn about lupus: Lupus can affect the joints, skin, kidneys, blood cells, brain, heart, and lungs. It's often difficult to determine if someone has lupus because its symptoms often resemble other diseases. The most common symptom of lupus is a facial rash, which resembles butterfly wings on both cheeks. This rash may become darker when exposed to sunlight. However, not everyone with lupus will develop it. Lupus and its Risk Factors: Medical reports suggest that some people are at risk of developing lupus from birth. Certain infections, certain medications, or even sunlight can trigger this condition. In most cases, lupus is mistaken for arthritis, a skin allergy, or a viral infection, as its symptoms are very similar. Experts believe that lupus is not a contagious disease and does not spread directly from person to person. Genetic factors, hormonal changes, and environmental factors are believed to play a role. Women are at a higher risk. What should be done to identify lupus? Lupus symptoms vary from person to person. As mentioned above, it includes a red rash on the skin, joint pain and swelling, and persistent fatigue. Many patients experience a butterfly-shaped red rash around the nose and cheeks. Hair loss, mouth ulcers, difficulty breathing, and chest pain can also be signs of lupus. In some patients, the fingers and toes turn white or blue in the cold. If the disease spreads to the kidneys, protein in the urine increases. Swelling and high blood pressure can also occur. How can lupus be prevented? Health experts say that lupus cannot be completely prevented, but its symptoms can be controlled with proper lifestyle and precautions. Experts recommend avoiding strong sunlight, using sunscreen, and resting the body. A balanced diet, regular light exercise, and reducing stress are also important. Smoking and alcohol should be avoided as these can increase inflammation. Lupus patients should have regular checkups to prevent damage to the kidneys and other organs.

Hotel Washroom Rules: Can highway hotels prevent you from drinking water or using the washroom? Learn the rules

It's common for people to need to use the washroom while traveling on highways. Many hesitate to use the washrooms of hotels located on the highway. Let's understand your rights in this article. Residential areas are often not visible for long distances on long-haul highways. Therefore, when people feel thirsty or need to use the washroom, the only option is a nearby hotel. People are often hesitant to visit these hotels. But you might be surprised to know that according to Indian law, no hotel in the country can refuse to provide free clean drinking water or use their washroom. These rules apply to both ordinary and five-star hotels. Often, due to lack of information, people are unable to take advantage of this right and face inconvenience, even though this facility is completely free. What rights do you have? According to the Inns Act of 1867, no hotel employee can refuse to provide drinking water and washroom facilities to anyone. Fortunately, the hotel cannot charge you any fee for this service; it is completely free. What can you do if the hotel refuses? If a hotel owner or employee refuses, you can complain by calling the police helpline 112. If the case goes to court and the hotel is proven to have violated the rules, the hotel's license can even be revoked. Other important things to consider while traveling: Clean toilets and drinking water are also available free of charge at petrol pumps on the highway. In case of emergency, you can also purchase a first aid kit from the hotel or petrol pump. Awareness is important. The law is made for your convenience, so don't hesitate to ask for water at any hotel while traveling on the highway. Tell your family and friends about this rule so they can also enjoy a safe journey. Knowing your rights can help you avoid any inconvenience or mental harassment.

Horror comedy film 'Bhoot Bangla' crosses ?250 crore mark, find out the 25th day collection

Akshay Kumar's horror comedy film 'Bhoot Bangla' was released in theaters on April 17th. Find out how the film performed on Monday, the 25th day. The horror-comedy film 'Bhoot Bangla' continues to hold its own in film's release. Monday's collections much the film has collected today. Kumar's film collected a total of Bangla' earned a total of ?43.75 crore the first week. Priyadarshan's film's compared to the first week. The film day collection: "Bhoot Bangla" fourth Friday. On the 23rd day, day, Sunday, the film earned ?4 crore. been released. Today, on the 25th day, lakh, a figure that will continue to rise. ?159.60 crore at the box office. "Bhoot Bangla" has made a good towards the ?200 crore club at the ?200 crore mark worldwide. The reached ?253.04 crore. The film's has already been completed. Star Cast comedy horror film. It is directed by Kumar, Ekta Kapoor and Shobha

theaters. Today marks 25 days since the have also been released. Find out how 'Bhoot Bangla' collection by week: Akshay ?84.40 crore in the first week. 'Bhoot in the second week, which was less than third week earnings dropped even further earned ?21.85 crore in its third week. 25th-earned ?1.75 crore on the 22nd day, the Akshay's film grossed ?3 crore. On the 24th Today, the 25th-day collection has also Monday, "Bhoot Bangla" collected ?85 Akshay's film has so far earned a total of Worldwide collection of "Bhoot Bangla"? collection worldwide. While it is inching Indian box office, it has easily crossed the film's worldwide box office collection has budget is approximately ?120 crore, which of 'Bhoot Bangla' - 'Bhoot Bangla' is a Priyadarshan. It is produced by Akshay Kapoor under Balaji Motion Pictures and Cape of Good Films. The film stars Akshay Kumar, Paresh Rawal, Jisshu Sengupta, Rajpal Yadav, Tabu and Vamika Gabbi.

When Shah Rukh Khan gave Jagapati Babu the "biggest compliment of his life," the actor shared an interesting anecdote.

Tollywood star Jagapati Babu has made a significant revelation about Bollywood's King Shah Rukh Khan. He shared an anecdote from an old film that has now made headlines. King Shah Rukh Khan and Tollywood star different film industries, but they that few people know about. this interesting anecdote in an recounted his role in the 1998 film, he played a small-time thief sacrifices his life to help a woman received by audiences. Later, a "Shakti: The Power," was made, Krishna Vamsi. In this film, Shah character Jagapathi Babu had while Karisma Kapoor played biggest compliment of my life," how Shah Rukh became very upset He said, "There was a smoking and which Shah Rukh recreated. intended. At that time, he said explain, but it was the biggest further explained that when he asked him if he had really said that and said he didn't mean it that way. statement remains the most special

Jagapati Babu may come from share a special film connection Recently, Jagapati Babu revealed interview. Jagapati Babu Telugu film Anthapuramu. In the named "Sarai Veerraju," who and her child. The film was well-Hindi remake of the film, directed by the same director, Rukh Khan played the same played in the Telugu version, Soundarya. "That was the Jagapathi Babu said, recalling while filming a particular scene. death scene at the end of the film, Perhaps the scene wasn't quite as something angrily, which I can't compliment of my life." The actor later met Shah Rukh Khan, he about him. Shah Rukh smiled But for Jagapathi Babu, that compliment to him even today. Shah Rukh Khan will be seen in this film - Shah Rukh Khan's next film is "King," which is being directed by Siddharth Anand. Deepika Padukone will be seen in the lead role alongside him in this film.

From Sunil Shetty to Karan Johar, film stars were spotted at the event; Riteish Deshmukh arrived holding Genelia's hand.

Prominent personalities from the film industry attended an event today. From Riteish Deshmukh and Genelia to Karan Johar and Arjun Kapoor. Whether it's an event in B-town or any other event, if celebrities attend, it's bound to be a topic of discussion. One such event was held on Monday night. This event was organized by India's renowned celebrity hairstylist, Aalim Hakim. Several celebrities from the film industry attended and posed for the paparazzi. Genelia and Riteish arrived holding hands. Riteish Deshmukh and Genelia are currently in the news for their film "Raja Shivaji." Meanwhile, they were spotted at Aalim Hakim's event. The couple arrived hand-in-hand, looking incredibly stylish. Sunil Shetty's dashing look: Actor Sunil Shetty was also seen at the event. He looked quite dashing in an all-black look. Netizens are praising the actor's fitness. Sunil Shetty posed a lot for the paparazzi. Arjun Kapoor also arrived - Actor Arjun Kapoor also arrived here. He was also seen in an all black look. Apart from him, producer-director Karan Johar also attended the event. Karan Johar's next production is 'Chand Mera Dil', in which Lakshya and Ananya Pandey will be seen. This actor of 'Dhurandhar 2' also arrived - Famous celebrity fitness coach Mustafa Ahmed, who played the powerful character of 'Rizwan' in the film Dhurandhar The Revenge, was also seen at the event. Salman Khan's bodyguard was also seen - Salman Khan's bodyguard Shera is no less than a celebrity now. He often participates in B-town events. He was also spotted at this event.